संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 2 • अंक 12 • दिसम्बर 2024

Volume 2 • Issue 12 • December, 2024

कला मंथन

समीक्षकों के अनुसार काव्य तथा तत्वज्ञान भिन्न हैं। तत्वज्ञान में तर्क (लॉजिक) प्रमुख होता है तो काव्य में विस्तारणा (एक्सपैंशन) तथा अलंकरण प्रमुख होता है। दार्शनिक का काम भाषण कक्षा में चर्चा करने का होता है तो कवि का काम एकान्त में गाने का। दोनों के ज्ञान में समानता होती है। लिओनार्दो के अनुसार चित्रकला में दर्शनशास्त्र भी है। चित्रकार गति एवं स्वरूप का चिंतन करता है। समुद्र, मैदान, नदी, पर्वत, पशु-पक्षी उसके विषय होते हैं और यही प्राकृतिक ज्ञान का भंडार है। काव्य नैतिक दर्शनशास्त्र का विवेचन करता है तो चित्रकला प्राकृतिक दर्शनशास्त्र का प्रदर्शन करती है। काव्य में मस्तिष्क में कार्य का विवेचन होता है तो चित्रकला में मस्तिष्क के माध्यम से होने वाली शारीरिक गति का अध्ययन होता है। चित्रकार प्राकृतिक वस्तुओं का केवल निरीक्षण नहीं करता बल्कि उनका तर्क की कसौटी पर अवलोकन भी करता है। इस तरह अपने व्यक्तित्व से चित्रकार नए चित्र का सृजन करता है। वह प्रकृति की प्रतिमा अंकित नहीं करता बल्कि उस पर विचार करके खुद के मन में नए चित्र की रचना करता है। इस प्रकार कलाकार प्रकृति का केवल अनुकरण नहीं, अपितु अपनी सद्सद् विवेक बुद्धि द्वारा उसमें पर्याप्त परिवर्तन लाता है। कलाकार इस प्रकार प्राकृतिक प्रतिमा को अधिक सुंदर बनाता है। पुनरूत्थान युग का कलाकार एक ओर तो मध्य-युग की धर्मशाखा का आदर करता है तो वहीं दूसरी ओर वह प्रज्ञा को भी महत्व देता है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

दिसम्बर 2024 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

● एनईपी-2020 के अनुरूप 493वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(25 नवम्बर से 06 दिसम्बर, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद)

एनईपी-2020 के अनुरूप 493वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए दिनांक 25 नवंबर से 06 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया, जिसमें 12 (बारह) विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों नामतः असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले 55 व्याख्याताओं (16 महिला व्याख्याता सहित) ने भाग लिया।

प्रतिभागियों के लिए एक आकर्षक गतिविधि थी "चेरियल पेंटिंग सीखने की पद्धति" पर सत्र, जिसका नेतृत्व प्रसिद्ध विशेषज्ञ श्री एम. मधु ने किया, जिसके बाद श्री डी. प्रभाकर द्वारा "मिट्टी के बर्तन और मिट्टी की मॉडलिंग" और श्रीमती अरुणा ज्योति द्वारा "एप्लिक आर्ट" पर सत्र आयोजित किया गया।

● एनईपी-2020 के अनुरूप 494वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(27 नवम्बर से 17 दिसम्बर, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी में सेवारत शिक्षकों के लिए एनईपी-2020 के अनुरूप 494वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम 27 नवंबर से 17 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया, जिसमें 14 (चौदह) विभिन्न राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों नामतः असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, नागालैंड, राजस्थान, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए 70 शिक्षकों (20 महिला शिक्षकों सहित) ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजभाषा नीति, सांस्कृतिक शिक्षा के घटक और मूल्य आधारित शिक्षा जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

एनईपी-2020 के अनुरूप 495वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(26 दिसम्बर से 15 जनवरी, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर)

एनईपी-2020 के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में 495वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम 26 दिसम्बर से 15 जनवरी, 2024 तक उदयपुर में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में 07 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों - बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, सिक्किम, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल से कुल 78 शिक्षकों (जिसमें 30 महिला शिक्षक शामिल हैं) ने भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षकों को शैक्षिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों को निम्नलिखित प्रमुख पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है:

- **भारतीय शास्त्रीय साहित्य और सांस्कृतिक धरोहर:** शिक्षकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शास्त्रीय साहित्य के महत्व से अवगत कराया जा रहा है।
- **एनईपी-2020 के प्रमुख सिद्धांत:** बहुभाषीय शिक्षा, समग्र विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन जैसे विषयों पर गहन चर्चा की जा रही है।
- **व्यावहारिक प्रशिक्षण:** शिक्षकों को कला-आधारित शिक्षण तकनीकों का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रायोगिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें राजस्थान की पारंपरिक शिल्पकला, लोक कला और प्रदर्शन कलाओं के अभ्यास शामिल हैं।

सांस्कृतिक अनुभव और धरोहर स्थलों का दौरा

कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को उदयपुर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा कराया गया। इन दौरों का उद्देश्य शिक्षकों को भारत की सांस्कृतिक विविधता और इसकी महत्ता को समझने में मदद करना है। यह अनुभव उन्हें अपने शिक्षण कार्य में सांस्कृतिक तत्वों को शामिल करने के लिए प्रेरित करता है।

समग्र शिक्षक निर्माण की दिशा में एक कदम

यह पाठ्यक्रम शिक्षकों को शैक्षिक सिद्धांत और व्यावहारिक प्रशिक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने में मदद कर रहा है। यह न केवल उनके ज्ञान और कौशल को सशक्त बना रहा है, बल्कि उन्हें अपने छात्रों के समग्र विकास में योगदान देने के लिए भी तैयार कर रहा है।

- **'एनईपी-2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका' पर कार्यशाला**

(10 से 24 दिसंबर, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद)

सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद द्वारा सेवारत स्कूल शिक्षकों के लिए 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 10 से 24 दिसंबर, 2024 तक आयोजित इस कार्यशाला में 7 राज्यों के 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक सीसीआरटी परिसर, द्वारका, नई दिल्ली में 23 दिसंबर 2024 से 01 जनवरी, 2025 तक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 32 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में 23-24 दिसंबर, 2024 को क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 10 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद में 26 से 28 दिसंबर, 2024 तक क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की।

- 6-15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित साहित्य अकादमी पुस्तक मेला 'पुस्तकायन' में सीसीआरटी ने अपने स्टॉल संख्या 38 में अपनी प्रकाशन और दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रदर्शन और बिक्री की। इस अवसर पर मेला परिसर में प्रतिदिन आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कुल 15 सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारकों ने प्रस्तुति दी।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सीसीआरटी परिसर, नई दिल्ली	03 दिसंबर 2024
2.	राजकीय सर्वोदय विद्यालय, अमलावास, ज्वालापुरी, नई दिल्ली	10-12 दिसंबर 2024
3.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, जहाँगीरपुरी, नई दिल्ली	10-12 दिसंबर 2024
4.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी बाल विद्यालय नंबर 1, घोंडा, नई दिल्ली	19-21 दिसंबर 2024
5.	ए.एस.ओ.एस.ई., द्वारका, नई दिल्ली	19-21 दिसंबर 2024
6.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, मटियाला, नई दिल्ली	26-28 दिसंबर 2024
7.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी बाल विद्यालय नंबर 2, बिंदापुर, नई दिल्ली	26-28 दिसंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जिला परिषद हाई स्कूल, जवाहर नगर मण्डल, कपरा, तेलंगाना	02-04 दिसंबर 2024
2.	जिला परिषद हाई स्कूल बालाजी नगर मण्डल, कपरा, तेलंगाना	05-07 दिसंबर 2024
3.	जिला परिषद हाई स्कूल, चेरलापल्ली मण्डल, कपरा, तेलंगाना	09-11 दिसंबर 2024
4.	जिला परिषद हाई स्कूल चीयरियाल मण्डल, कीसरा, तेलंगाना	16-18 दिसंबर 2024
5.	जिला परिषद हाई स्कूल (कन्या) मूसापेट मण्डल, कुकटपल्ली, तेलंगाना	19-21 दिसंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	संत मावजी राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उदयपुर	03 दिसंबर 2024
2.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नाथावतों का गुड्डा, उदयपुर	02-04 दिसंबर 2024
3.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मावली जंक्शन, उदयपुर	03-05 दिसंबर 2024
4.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, डूंगरपुर, उदयपुर	05 दिसंबर 2024

5.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केवड़ा खुर्द, सराड़ा, उदयपुर	04–06 दिसंबर 2024
6.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मोरवानिया, उदयपुर	05–07 दिसंबर 2024
7.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लोयरा, बागोअन, उदयपुर	दिसंबर 07 2024
8.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बोयाना, मावली, उदयपुर	06, 07 और 09 दिसंबर 2024
9.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, वल्लभनगर, उदयपुर	09 दिसंबर 2024
10.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, पुलिस लाइन, उदयपुर	07 और 09, 10 दिसंबर 2024
11.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वारा, गिर्वा, उदयपुर	09–11 दिसंबर 2024
12.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मदारा, उदयपुर	09–11 दिसंबर 2024
13.	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, उपली बड़ी, उदयपुर	09–11 दिसंबर 2024
14.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भागला घाट, गिर्वा, उदयपुर	12–14 दिसंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	स्वाहिद कुशल कुंवर एच.एस. स्कूल, पानीखतिती, गुवाहाटी	04–06 दिसंबर 2024
2.	न्यू गुवाहाटी आदर्श हाई स्कूल, बामुनिमैदान, गुवाहाटी	09–11 दिसंबर 2024
3.	नतुन फताशी टाउन हाई स्कूल, गुवाहाटी	09–11 दिसंबर 2024
4.	नारेंगी हाई स्कूल, गुवाहाटी	10–12 दिसंबर 2024
5.	कॉटन कॉलेजिएट एच.एस. स्कूल, गुवाहाटी	26–28 दिसंबर 2024
6.	पारिजात अकादमी, गुवाहाटी	26–28 दिसंबर 2024

दिसम्बर 2024 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 8484 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

• 'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' पर कार्यशाला

सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा 10 से 19 दिसंबर, 2024 तक 'विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारत के विभिन्न 06 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 50 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की जिन्हें इस कार्यशाला के विषयवस्तु के अनुरूप शिल्प आधारित शिक्षाशास्त्र को सीखने और अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 10 से 19 दिसम्बर, 2024 तक "विद्यालयी शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश" विषय पर कार्यशाला के 19 दिसम्बर, 2024 को आयोजित सिद्धि समारोह में माननीय डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर (अध्यक्ष, सीसीआरटी) द्वारा समापन उद्बोधन में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई व विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली:	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र:
डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री ओम प्रकाश शर्मा,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**श्री निरंजन भुइयां,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)	**श्री के.एस.एल. गणेश,** उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)	
श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी

संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर